बालभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – चतुर्थ **दिनांक -28- 11- 2020**

विषय -हिन्दी **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज विराम चिह्न के बारे में अध्ययन करेंगे ।

विराम चिह्न*

विराम का अर्थ- 'विश्राम' या 'ठहराव'

भाषा द्वारा जब हम अपने भावों को प्रकट करते हैं तब एक विचार या उसके कुछ अंश को प्रकट करने के बाद थोड़ा रुकते हैं, इसे ही 'विराम' कहा जाता है|

जैसे- मैंने राम से कहा रुको, मत जाओ|

उपर्युक्त उदाहरण में रुको के बाद चिह्न का प्रयोग किया गया है जिससे अर्थ स्पष्ट हो सके|

(चिह्न न होता तो इसका अर्थ रुकना नहीं है जाना है भी हो सकता था)

विराम चिह्नों के प्रकार

1- पूर्ण विराम

2- अपूर्ण/ उपविराम चिह्न

3- अर्द्ध विराम

4-अल्प विराम

5-प्रश्नबोधक

6- विस्मयादिबोधक

7- निर्देशक चिह्न

8- योजक चिह्न

9- कोष्ठक चिह्न

10- उद्धरण चिह्न

11- लाघव चिह्न

12- विवरण चिह्न

13- लोप सूचक चिह्न

14-त्रुटिबोधक/काकपद/हंसपद चिह्न

15- अनुवृत्ति चिह्न

1- पूर्ण विराम चिह्न ।

वाक्य की समाप्ति पर इस चिह्न का प्रयोग किया जाता है

जैसे- राम खेलने जा रहा है|

2- अपूर्ण विराम या उपविराम :

जब एक वाक्य समाप्त होने पर भी भाव समाप्त नहीं होता है वहाँ इसका प्रयोग किया जाता है| संवाद लेखन में भी इस चिह्न का प्रयोग होता है|

जैसे-

i- शब्द और अर्थ के बीच तीन में से कोई संबंध हो सकता है: अभिधा, लक्षणा, व्यंजना|

ii- राम: मैं डॉक्टर बनना चाहती हूँ|

3- अर्द्ध विराम चिह्न .,

जहाँ अपूर्ण विराम की अपेक्षा कम ठहराव होता है

जैसे- मुझे पैसा मिलना चाहिए., मैं काम कर सकती हूँ|

4- अल्प विराम चिह्न ,

इसमें बहुत ही कम ठहराव होता है

जैसे- राम, श्याम और मोहन खेल रहे हैं|